सूचना का अधिकार

0860/आर.टी.आई./08/17-18

राष्ट्रपति सचिवालय

PRESIDENT'S SECRETARIAT

आर.टी.आई. अनुभाग

राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली-110004.

Rashtrapati Bhavan, New Delhi-110004.

२५ अगस्त 2017

सेवा में,

केन्द्रीय लोक सूचना अधिकारी
सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय
परिवहन भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली।

महोदय,

RTI

सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत श्री आर. एस. किसान का दिनांक 04.08.2017 का आवेदन पत्र दिनांक 23.08.2017 को प्राप्त हुआ है। वांछित सूचना आपके द्वारा धारित/आपके कृत्यों से निकट रूप से संबंधित होने के कारण उक्त आवेदन पत्र आपके कार्यालय को सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा 6(3) के तहत हस्तांतरित किया जा रहा है।

787

2. आवेदक ने इसके लिए शुल्क के रूप में ₹ 10/- (रूपये दस मात्र) का भुगतान इस सचिवालय में कर दिया है।

भवदीय

जे.जी.सुब्र

(जे. जी. सुब्रमणियन)
उपसचिव और के. लो. सू. अ.
दूरभाष: 011-23015321

प्रतिलिपि सूचनार्थ:
श्री आर. एस. किसान
ख-38, भवानी नगर, जयपुर
राजस्थान-302039.

वांछित सूचना इस सचिवालय के क्षेत्राधिकार में नहीं आती है। अत: आपका पत्र संबंधित कार्यालय को हस्तांतरित किया जा रहा है। भविष्य में इससे संबंधित जानकारी के लिए उपरोक्त कार्यालय से सीधे संपर्क करें।

जे.जी.सुब्र

उपसचिव और के. लो. सू. अ.

Scan & send to
1. AEE(Toll) Sh. G. Deoprme
2. SE(RO) Jaipur
3. US(Mon) Sh. D.S. Palhania
4. NHAI

प्राप्त किया 28

SE(8
RO(RSI)

"ॐ"

जयपुर
[राजस्थान]

"जय श्रीराम"

आर.एस.किसान
ख–38 भवानी नगर,
जयपुर राजस्थान
9829540160

दिनांक –

प्रार्थना पत्र/RTI Application
President's Secretariat
(सू का अधि) अनुभाग/(RTI) Section
डायरी सं/Dy. No. 8601/RTI/17-18
दिनांक/Date 23-8-17
हस्ताक्षर/Signature

सेवामें,

(1A) श्रीमान संयुक्त सचिव!
महामहिम राष्ट्रपति सचिवालय
राष्ट्रपति-भवन
भारत-सरकार
नई दिल्ली

(1) महामहिम राष्ट्रपति महोदय,
राष्ट्रपति भवन – दिल्ली।

(2) आदरणीय प्रधानमंत्री जी,
भारत सरकार नई दिल्ली।

(3) महामहिम राज्यपाल महोदय,
राजस्थान/अन्य राज्य..........।

(4) आदरणीय मुख्यमंत्री जी,
राजस्थान/अन्य राज्य..........।

FILE DESPECH NUMBER
NO: 538
14.08.2017

(5) आदरणीय मंत्रीगण जी,
राजस्थान/अन्य राज्य..........।

(6) आदरणीय लोकायुक्त महोदय,
राजस्थान/अन्य राज्य..........।

"जय भारत"
जय हिन्द"

(7) माननीय मुख्य न्यायाधीश महोदय,
उच्चतम न्यायालय/उच्च न्यायालय
दिल्ली।

(8) आदरणीय/श्रीमान् मुख्य सचिव महोदय,
सचिव महोदय..............................

"स्वतंत्रता 15 अगस्त की बधाई एवं प्रणाम स्वीकार हो"

विषय :– (1) सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 के तहत सूचना उपलब्ध करान बाबत।

(2) संलग्न अखबार में प्रकाशित समाचार की छायापति के सम्बन्ध में आर.टी.आई. प्रश्न सूचना।

(3) आर.टी.आई. शुल्क रू.10.00 आई पोस्टल आर्डर नम्बर 40F 795500

e-521056

(4) भारत के HIGHWAYS पर TOLL TAX NAKA'S पर निर्धारित "टेक्स-वसूली" के दुगनी वसूली के बाद भी "टेक्स की अवैध वसूली" चालू है। तुरन्त बन्द करावे" P.T.O →

आरटीआई एक्ट 2005 के तहत वांछित सूचना 30 दिन में उपलब्ध करावे :– प्रश्नों की सूची निम्न वर्णित है।

1. .....

.....

2. .....

.....

3. .....

.....

4. .....

.....

5. .....

.....

6. .....

.....

7. .....

.....

8. .....

.....

सादर।

भवदीय

आर.एस.किसान
ख–38, भवानी नगर,
जयपुर, राजस्थान

ॐ

"जय-श्रीराम"

आर.एस.किसान
ख–38, भवानी नगर,
जयपुर, राजस्थान
9829540160
दिनांक -

पत्र डिस्पेच संख्या : 506
दिनांक := 14.08.17

सेवामें,

(1) महामहिम राष्ट्रपति महोदय
राष्ट्रपति भवन – दिल्ली।

(2) आदरणीय प्रधानमंत्री जी,
भारत सरकार नई दिल्ली।

(3) महामहिम राज्यपाल महोदय,
राजस्थान / अन्य राज्य...........।

(4) आदरणीय मुख्यमंत्री जी,
राजस्थान / अन्य राज्य...........।

(5) आदरणीय मंत्रीगण जी,
राजस्थान / अन्य राज्य...........।

(6) आदरणीय लोकायुक्त महोदय,
राजस्थान / अन्य राज्य...........।

(7) माननीय मुख्य न्यायाधीश महोदय,
उच्चतम न्यायालय / उच्च न्यायालय
दिल्ली।

(8) आदरणीय / श्रीमान् मुख्य सचिव महोदय,
सचिव महोदय, ...

(9) श्रीमान [illegible] महोदय IAS, [illegible]

विशेष :- "देश की जनता से अवैध वसूली का "अरबो" रुपयो का अबतक की सबसे बडी आर्थिक अपराध प्रकरण। 72 घंटे में देश का 125 करोड़ जनता को न्याय दिलावे"

पुनः निवेदन प्रार्थना"

"[illegible] 72 घंटे में [illegible] लोगो आम के न्याय को [illegible]"

विषय :- सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 के तहत सूचना
उपलब्ध कराने बाबत :- RS: 10=00 Fee I.P.O.No. [illegible]
40F 795500

(1) "देश में "डीजल" [illegible] से 10 वर्ष से अवैध [illegible]। जाचं आयोग गठित [illegible]।

P.T.O.→

ॐ

जय श्री राम

जयपुर (4)
[राजस्थान]

Date ____ Page ____

21.08.17

आदरणीय महामहिम राष्ट्रपतिजी, दिल्ली,
सादर प्रणाम, चरण स्पर्श - निवेदन
" देश को चन्द ठेकेदारों से लूटने से बचाओ"

विषय: "राजस्थान तथा समस्त भारत में; "टोल-नाकों" पर टोलवसूली; पूरी होने तथा "मुनाफा" पूरा वसूल लेने के बाद भी टोल; टैक्स लेना लगातार जारी क्यों?"

महोदया/महोदय;
सविनय निवेदन यह है कि—

[1] राजस्थान पत्रिका में प्रकाशित समाचारपत्र की कटिंग की छायाप्रति संलग्न की जाकर निवेदन है कि "टोल-टैक्स" नाकों पर "टोल टैक्स" वसूली मय मुनाफा पूरी हो जाने के बाद भी "टोल टैक्स" वसूली लगातार जारी है।

[2] टोलटैक्स वसूली का उद्देश्य जिन सुविधाए को देकर था; वो सुविधाए नहीं दी जा रही है।

[3] देश का योजना आयोग लगभग 10 वर्ष पूर्व यह स्वीकार कर चुका है; कि टोल टैक्स वसूली पूरी हो जाने के बाद भी लगातार 10 वर्षों से टोलटैक्स वसूली लगातार अवैध रूप से जारी है;- क्यों "RTI Act 2005 के तहत, 30 दिन में जवाब सूचना उपलब्ध करावें।"

[4] देश प्रदेश में वाहनो की संख्या "दुगनी" हो चुकी है। अर्थात- टोल टैक्स राशि भी अवैध रूप से दोगुना (निर्धारित राशि से) वसूली जा चुकी है। "निर्धारित टोल टैक्स से दुगना "DOUBLE" वसूल/ वसूली किया जा चुका है" बन्द करावें। PTO

"जय-श्रीराम" [3]

V.V.I. POINT

(5) "सड़क विकासकर्ता कम्पनी" या ठेकेदार द्वारा निर्धारित "टोलटैक्स" वसूली किये जाने तथा मुनाफा वसूल लेने के बाद भी वसूली का प्रकरण राजस्थान विधानसभा में उठ चुका है। इसके विरुद्ध कार्यवाही नहीं होना- बहुत बड़े भ्रष्टाचार- घोटाले की आशंका दर्शाता है।

(6) टोल-टैक्स नाकों पर जनप्रतिनिधियों से की गई "दादागीरी" के काफी उदाहरण प्रकाश में आ चुके हैं।

(7) देश में टोल-टैक्स राष्ट्रीय राजमार्ग पर 31 है।

(8) राष्ट्रीय राजमार्ग पर "35" टोलटैक्स नाके हैं।

(9) राजस्थान सरकार स्टेटहाइवे पर टोल टैक्स वसूली हेतु ठेकेदारों को खुली-छूट दे रखी है। केवलमात्र 10 कि०मी० की दूरी अन्तराल के बाद दूसरा "टोलटैक्स" नाका आजाता है।

(10) राजस्थान प्रदेश की सीमा से दूसरे राज्यों के वाहन भी गुजरते हैं।

(11) टोल टैक्स नाकों पर आमतौर पर 2 कि. मी. की वाहनों की कतार लग जाती है; जिससे अमूल्य समय एवं बड़े-बड़े वाहनों का "अरबों" रुपये का तेल व्यर्थ हानी के रूप में जल जाता है।

(12) राजस्थान में कोटपुतली-गुड़गांव टोल टैक्स राष्ट्रीय राजमार्ग का तो माननीय उच्च न्यायालय लगभग 5 वर्ष पूर्व लागत मुनाफे से दुगनी वसूली हो चुकी है।

P.T.O

" जय-भारत "

(13) राजस्थान मे पंजीकृत तिपहिया/चौपहिया वाहनों का पंजीयन वर्षवार जिनपर टोल नाके से गुजरने पर " टोल-टैक्स" वसूला जाता है:—

(14)

वर्ष	तिपहिया/चौपहिया वाहन
2011	21,22,505
2012	23,55,845
2013	25,06,178
2014	28,56,273
2015	31,06,751
2016	35,10,712
2017 (3माह)	10,12,820 [तीन माह (अप्रेल मई जून)]

RTI ACT-2005 के तहत निम्न सूचना उपलब्ध करावे— 15 बिन्दु RTI सूचना [illegible]

(1) देश प्रदेश मे " टोलटैक्स" वसूली योजना कब से लागू की गई है।

(2) सड़क विकासकर्ता कम्पनियों या ठेकेदा के नाम की सूची उपलब्ध करावे।

(3) "सड़क विकासकर्ता कम्पनी" को टोल वसूली का ठेका कितने वर्ष का तथा किन शर्तों पर दिया गया था। नियमशर्तों की सूची या प्रति उपलब्ध करावे।

(4) सड़क विकास कर्ता द्वारा निर्धारित रखा रख मुनाफा कब तक वसूल कर चुका है।

(5) सड़क विकास कर्ता कितनी राशी तथा मुनाफा वसूला गया है।

(6) सड़क विकास कर्ता द्वारा जो सुविधाऐं तथा सड़क विकास कार्य पूरा कर दिया गया है या नहीं ?

P.T.O

"जय श्रीराम"

Date ______
Page ______

VVIP (7) क्या गुजरात सरकार द्वारा छोटे वाहन-जीप कार को "टोल-टैक्स" से मुक्त कर दिया है।

(8) "राजस्थान विधान सभा" में मामला उठने के बावजूद भी "टोल-वसूली" रोकने के कारण कौन विभाग जिम्मेवार है तथा "रोक-निर्णय" नहीं लेने के लिये कौन बड़े अधिकारी जिम्मेवार है उनका नाम एवं पदनाम बतावें

VVIP-POINT

(9) योजना आयोग [नीति-आयोग] द्वारा यह तथ्य स्वीकार करने के बाद की "टोल टैक्स" 10 वर्ष से अवैध हो रही है तथा कार्यवाही सरकार द्वारा की गई रिकार्ड सहित अवगत करावें।

VVIP

(10) "सड़क विकासकर्ता कम्पनी / ठेकेदार को राजस्थान का कौन-2 विभाग देखरेख एवं प्रशासनिक नियन्त्रण रखता है उन विभागों का नाम बताओ विभागों के विभागाध्यक्षों के नाम एवं पदनाम की सूचना उपलब्ध करावें

(11) क्या सड़क विकास कम्पनी के आय-व्यय का CAG अंकेक्षण (AUDIT) वर्षवार किया जा चुका है। RTI सूचना उपलब्ध करावें

(12) में (13) "सड़क विकास कम्पनी द्वारा गत 15 वर्षों में
(1) कितनी राशी सेवाकर की जमा कराई है।
(2) कितनी राशी "आयकर" की जमा कराई है
(3) कितने कर्मचारी कार्यरत है।
(4) कर्मचारीगण को 8 घण्टे कार्य का कितना भुगतान किया जाता है।
(5) सड़क विकासकर्ता कम्पनियों के / ठेकेदार के नाम-उनके कार्यालय मुख्यालय का स्थाई पता उपलब्ध करावें

9 [illegible] कर्मचारियों एवं वालों को टोल टैक्स से छूट क्यों-क्यों [illegible]

विशेषतः जयपुर (राजस्थान) सादर प्रणाम

भवदीय

RTI-शुल्क Rs 10/- (1) 40F 794540 [संलग्न] R.S. Kushwaha
I.P.O NO- (2) 40F 796442 [संलग्न] 04-08-2017
(3) 40F 795500

[6]

वसूली पूरी होने और मुनाफा मिलने के बावजूद टोल लेना जारी

र जाए झोला, फिर क्यों टोल वसूली

पत्रिका टोल का ...

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

जयपुर. प्रदेश में टोल वसूली में बड़ा झोल है। यह रह-रहकर सामने आता रहा है लेकिन वसूली पर लगाम नहीं लग पा रही। कहीं तय वसूली पूरी होने और मुनाफा मिलने के बावजूद टोल लेना जारी है तो कहीं नियमानुसार सुविधाएं नहीं मिलने के बावजूद वाहन चालक टोल चुकाने को मजबूर हो रहे हैं।

सालों पहले योजना आयोग ... कि टोल की लागत कुछ साल में निकलने के बावजूद वसूली 10 साल या अधिक समय तक जारी रहती है। वाहनों की संख्या के साथ टोल वसूली बढ़ने के बावजूद दर लगातार बढ़ रही है। इससे सड़क विकासकर्ता के लिए टोल व्यवस्था कमाऊ साबित हो रही है। विधानसभा में गुरुवार को टोल मुद्दे पर चर्चा जन प्रतिनिधियों से टोल नाकों पर हो रही 'दादागिरी' ... हकीकत यह है कि ... कुछ साल में निकलने के बावजूद जनता की जेब से वर्षों उगाही चलती है। प्रदेश में 5 साल में तिपहिया और चौपहिया वाहनों की संख्या डेढ़ गुणा बढ़ी व टोल वाले राष्ट्रीय राजमार्ग क्षेत्र 31 हैं। नेशनल हाइवे पर 35 जगह टोल नाके है। जयपुर-गुड़गांव राजमार्ग पर 3 जगह टोल नाके है। राज्य सरकार स्टेट हाइवे पर टोल वसूली के नियमों में उदार है। केवल 40 किलोमीटर दूरी पर दूसरा टोल नाका लगाने की छूट दे रखी है।

प्रदेश में वाहनों का गणित

वर्ष	कुल वाहन पंजीयन	तिपहिया-चौपहिया वाहन पंजीयन
2015	12378984	3106751
2014	11184430	2856273
2013	10072035	2506172
2012	8985568	2355825
2011	7956485	2127505

साठ नहीं, 30 किमी का फासला

हाईकोर्ट में याचिका पर सुनवाई के दौरान सामने आ चुका है कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर टोल का फासला 60 किमी. है। जयपुर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर मनोहरपुर से दौलतपुर के बीच 30 किमी दूरी में ही टोल नाके हैं। जयपुर-आगरा नेशनल हाइवे पर भी ... ज्यादा फासला नहीं है।

ज्यादा वसूली, फिर भी जारी

कोटपुतली-गुड़गांव टोल सड़क वाली जयपुर-दिल्ली नेशनल हाइवे के बारे में तो हाईकोर्ट में करीब चार साल पहले ही सामने आ चुका कि लागत से अधिक वसूली हो चुकी है। इसके बावजूद अब तक न सड़क का विस्तार हुआ, न ही वसूली रुकी।

दूसरे प्रदेशों के भी आते हैं वाहन

प्रदेश की टोल सड़कों से यहां के साथ ही अन्य प्रदेशों के वाहन भी गुजरते है। उनसे भी टोल वसूली होती है। परिवहन से जुड़े लोगों के अनुसार हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, मध्यप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र और दक्षिणी राज्यों के वाहन, भी राजस्थान से गुजरते है।

नाकों पर लम्बी कतारें

टोल नाकों पर कतारें लगना आम है। जयपुर-अजमेर राष्ट्रीय राजमार्ग पर कई बार एक-सवा किमी तक लाइन लगने की शिकायत आती है। जयपुर-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग भी इस समस्या से अछूता नहीं है। जयपुर-दिल्ली हाइवे सहित प्रदेश से गुजरने वाले कई राष्ट्रीय राजमार्ग व स्टेट हाइवे भी इसी समस्या के शिकार है।

"कोटिध्यान"
राम मन्दिर अयोध्या में रामजन्म भूमि - पर ही बनाये गे।

« जय श्रीराम »

आदरणीय महामहिम महोदय,
प्रणाम

« देश में HIGHWAY » पर टोल टैक्स नाको पर निर्धारित टैक्स से दुगना + मुनाफा दुगना वसूल कर लेने के बाद भी » अवैधानिक तरीके से (TOLL TAX) » वसूल किया जा रहा है आप कृपया यह अवैध वसूली को बन्द करमावे।

R.S. Kishan
14-08-17

मइ टका दश टाका दस रुपिया ಹತ್ತು ರೂಪಾಯಿ ൧൦ രൂപ பத்து ரூபா दहा रुपये ଦଶ ଟଙ୍କା दस रुपए दश रूप्यकाणि

अपरक्राम्य
NOT NEGOTIABLE

भारतीय पोस्टल आर्डर
INDIAN POSTAL ORDER

डाक महानिदेशक DIRECTOR GENERAL OF POSTS

PAY TO श्रीमान संयुक्त सचिव भारत सरकार राष्ट्रपति सचिवालय दिल्ली को

दस रुपए की रकम THE SUM OF RUPEES TEN ONLY

₹10

कमीशन COMMISSION रुपया 1 RUPEE

प्रेषक अपना नाम और पता यहां लिख दें।
SENDER MAY FILL IN HIS NAME AND ADDRESS HERE

रामवीर सिंह विधाना
E9-38 भवानी नगर
V.K.I. ROAD JAIPUR
राजस्थान-302039

डाक टिकट
POSTAGE STAMPS

AT THE POST OFFICE AT
GPO
के डाकघर में अदा करें।

पोस्ट मास्टर POSTMASTER

इस लाइन के नीचे मत लिखिए DO NOT WRITE BELOW THIS LINE

40F 795500